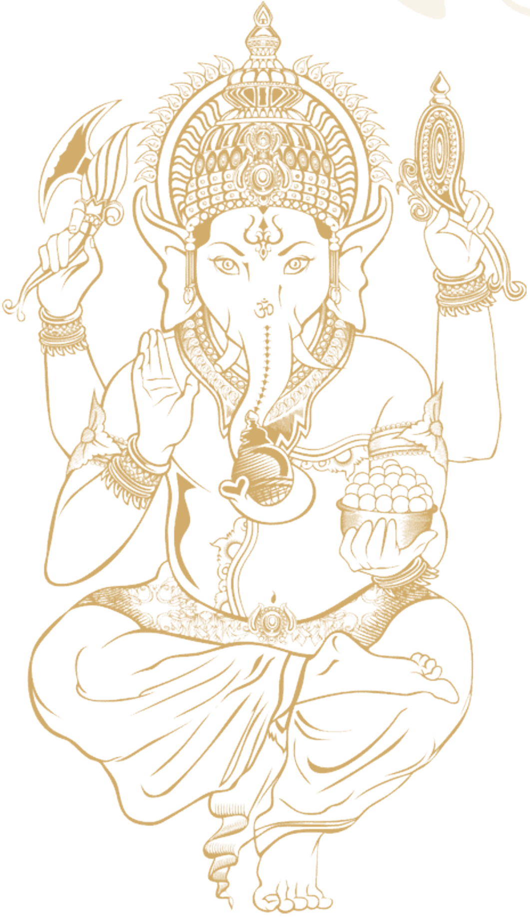

Mrs.Annait

03 Jan 1999

07:04 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 120886302

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 03/01/1999**
दिन	: रविवार
जन्म समय	**: 19:04:00 घंटे**
इष्ट	: 28:46:42 घटी
स्थान	**: Jammu**
राज्य	: Jammu and Kashmi
देश	: India

अक्षांश	: 32:42:00 उत्तर
रेखांश	: 74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 18:33:28 घंटे
वेलान्तर	: -00:04:15 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:24:24 घंटे
सूर्योदय	: 07:33:19 घंटे
सूर्यास्त	: 17:36:33 घंटे
दिनमान	: 10:03:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 18:52:44 धनु
लग्न के अंश	: 08:16:35 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**: कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**: पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: वैधृति
करण	: गर
गण	: देव
योनि	: मेष
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: मेष
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: हे-हेमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:16:35	300:16:23	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			धनु	18:52:44	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	07:55:58	13:54:53	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	स्वराशि
मंगल			कन्या	25:48:13	00:29:18	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			धनु	01:03:18	01:25:48	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	28:28:59	00:09:08	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मक	04:45:27	01:15:11	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	02:56:59	00:00:33	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:47:56	00:02:49	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:47:56	00:02:49	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:15:05	00:03:11	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	07:18:40	00:02:11	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चिक	15:21:44	00:02:03	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मीन	28:58:02	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:26

लग्न-चलित

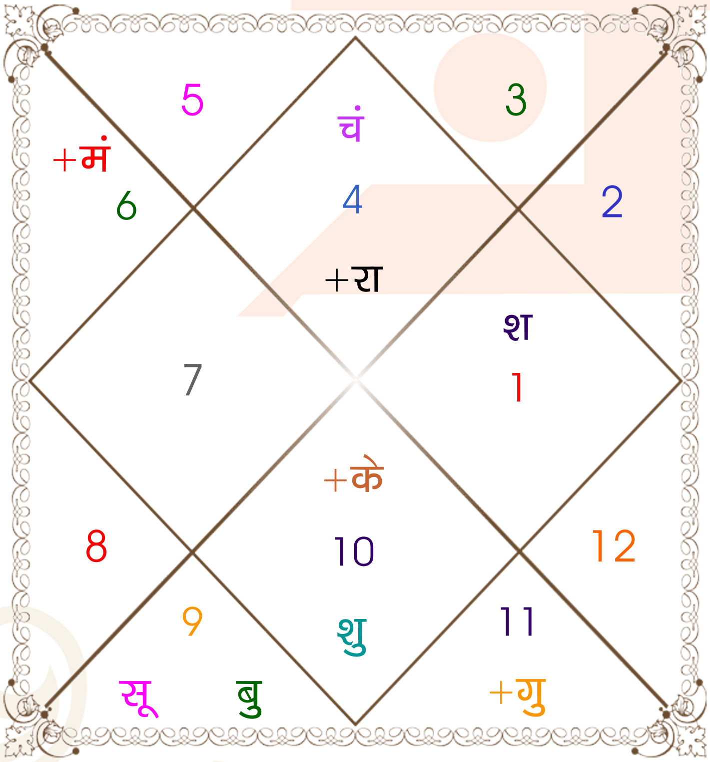

चन्द्र कुंडली

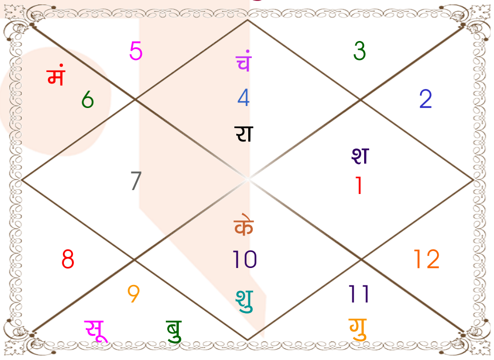

नवमांश कुंडली

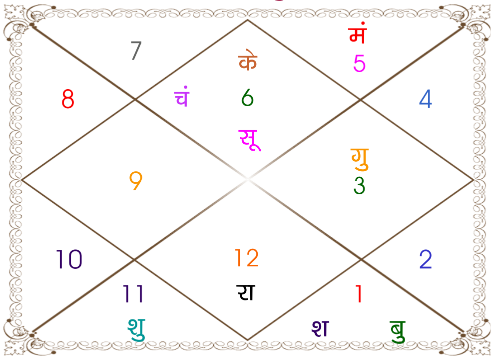

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 5 मास 10 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
03/01/1999		15/06/2011		14/06/2028		15/06/2035		15/06/2055	
15/06/2011		14/06/2028		15/06/2035		15/06/2055		15/06/2061	
	00/00/0000	बुध	11/11/2013	केतु	11/11/2028	शुक्र	15/10/2038	सूर्य	03/10/2055
	03/01/1999	केतु	08/11/2014	शुक्र	11/01/2030	सूर्य	15/10/2039	चंद्र	02/04/2056
केतु	06/04/1999	शुक्र	08/09/2017	सूर्य	18/05/2030	चंद्र	15/06/2041	मंगल	08/08/2056
शुक्र	06/06/2002	सूर्य	15/07/2018	चंद्र	18/12/2030	मंगल	15/08/2042	राहु	03/07/2057
सूर्य	19/05/2003	चंद्र	15/12/2019	मंगल	16/05/2031	राहु	15/08/2045	गुरु	21/04/2058
चंद्र	17/12/2004	मंगल	11/12/2020	राहु	02/06/2032	गुरु	15/04/2048	शनि	03/04/2059
मंगल	26/01/2006	राहु	30/06/2023	गुरु	09/05/2033	शनि	15/06/2051	बुध	08/02/2060
राहु	02/12/2008	गुरु	05/10/2025	शनि	18/06/2034	बुध	15/04/2054	केतु	14/06/2060
गुरु	15/06/2011	शनि	14/06/2028	बुध	15/06/2035	केतु	15/06/2055	शुक्र	15/06/2061

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/06/2061		15/06/2071		15/06/2078		14/06/2096		15/06/2112	
15/06/2071		15/06/2078		14/06/2096		15/06/2112		00/00/0000	
चंद्र	15/04/2062	मंगल	11/11/2071	राहु	25/02/2081	गुरु	03/08/2098	शनि	19/06/2115
मंगल	14/11/2062	राहु	29/11/2072	गुरु	22/07/2083	शनि	14/02/2101	बुध	26/02/2118
राहु	15/05/2064	गुरु	05/11/2073	शनि	28/05/2086	बुध	23/05/2103	केतु	04/01/2119
गुरु	14/09/2065	शनि	15/12/2074	बुध	14/12/2088	केतु	28/04/2104		00/00/0000
शनि	15/04/2067	बुध	12/12/2075	केतु	02/01/2090	शुक्र	28/12/2106		00/00/0000
बुध	14/09/2068	केतु	09/05/2076	शुक्र	01/01/2093	सूर्य	16/10/2107		00/00/0000
केतु	15/04/2069	शुक्र	09/07/2077	सूर्य	26/11/2093	चंद्र	14/02/2109		00/00/0000
शुक्र	15/12/2070	सूर्य	14/11/2077	चंद्र	28/05/2095	मंगल	21/01/2110		00/00/0000
सूर्य	15/06/2071	चंद्र	15/06/2078	मंगल	14/06/2096	राहु	15/06/2112		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 6 मा 2 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेंगी। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरुद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।